

[SHRI T. A. MOHAMMAD SAQHY]

stopped immediately, and all the works have to be given to this Workshop staff only.

Sir, I would request the Ministry of Railways to answer the following questions: (1) What action is being taken by the Railway Administration regarding modernisation of the Engineering Work shop at Arkonam? Even though Rs. 4.8 crores were sanctioned, only a meagre amount of Rs. 1 lakh was allotted this year. (2) Why is the delay in the recruitment of Class-IV employees in the EMS? Only 342 Class-IV employees are available against the sanctioned strength of 610. (3) What can be done to see that the carpenter, wood-work, tinker and painter shops are not closed down? (4) What is the remedial action taken to promote the employees who are on the verge of retirement? (5) Who has stopped appointments on compassionate grounds in the Workshop? Since the families of the deceased employees are settled at Arkonam itself? (6) What steps can be taken for the appointment of people on compassionate grounds?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED SIBTEY RAZI) : Mr. Saqhy, now please try to conclude.

SHRI T. A. MOHAMMAD SAQHY : (7) How can the production control organisation function with limited staff when there are a number of vacancies in the categories of Chargeman B, Mistress, Progressman and Junior Planner? (8) What is the action taken by the Ministry of Railways to implement restructuring of various posts which was already accepted by the JCM?

Sir, I request the Ministry of Railways and the Ministry of Industry to look into this sensitive subject and take all possible remedial action in the matter immediately. Otherwise, Sir, there is the possibility of closing down this 110-years old Engineering Workshop at Arkonam. Thousands of employees are working there. There is no other factory around that area. So, this factory has to be protected. The closing down of the factory with mala fide intentions has to be stopped in the interest of the people living in that area. Thank you, Sir.

SHRI MISA R. GANESAN (Tamil Nadu) : Sir, I associate myself with this Special Mention.

#### Demand to Hand-Over S.Y.L. Canal work to Border Roads Organisation

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : उपसभाध्यक्ष जी, सबसे पहले मैं आपको पीठासीन अधिकारियों की जमात में शामिल होने के लिये बधाई देना चाहती हूँ।

श्री जगदीश प्रसाद साधु : (उत्तर प्रदेश यह भी अलग जमात है ? हम समझे कि पैनाल है।

श्रीमती सुषमा स्वराज : एक अलग परिवार है और कल ही आपका मनोनयन हुआ है।

उपसभाध्यक्ष (श्री संयुक्त सिन्हा रज़ी) : बड़े हाउस की छोटी जमात है।

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदय, मुझे आपकी सदारत में बोलने का मौका मिल रहा है, यह मेरे लिये खुशी की बात है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, इस विशेष उल्लेख के जरिये मैं इस महान सदन का ध्यान एक आवश्यक विषय की ओर दिलाना चाहती हूँ। आप जानते हैं कि सतलुज-यमुना लिंक नहर का निर्माण हमारे प्रदेश के निवासियों के लिये एक बहुत ही महत्त्व का मसला है। सतलुज-यमुना लिंक नहर हरियाणा की प्राण रेखा, लाइफ लाइन के नाम से पुकारी जाती है। हरियाणा की असिंचित भूमि वर्षों से इस नहर के जरिये आने वाले पानी का बेताबी से इंतजार कर रही है। किन्तु हरियाणा के किसानों को आज तक केन्द्र सरकार की ओर से सिवाय खोखले वायदे और कोरे आश्वासनों के इस विषय पर कुछ नहीं मिला और पिछले महीने की 27 तारीख को इसी सदन में जल संसाधन मंत्री विद्या चरण शुक्ल जी द्वारा दिये गये एक प्रश्न के जवाब ने तो हम लोगों की उम्मीदों पर बिल्कुल पानी फेर

दिया। महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहती हूँ कि हरियाणा के हिस्से की नहर मुकम्मल हो चुकी है लेकिन जो पानी इस नहर के जरिये हरियाणा को मिलना है वह पाकिस्तान को जा रहा है क्योंकि पंजाब के हिस्से की नहर का निर्माण अभी अधर में लटका हुआ है। कई जन-आंदोलन इस मुद्दे पर हरियाणा में हो चुके हैं, कई सरकारी मंचों पर हम अपनी आवाज इसके लिए उठा चुके हैं लेकिन नतीजा वही डाक के तीन पात।

एक बार चन्द्रशेखर जी की सरकार के समय यह उम्मीद बंधी थी कि इस नहर का निर्माण हो जाएगा क्योंकि उन्होंने अपनी अध्यक्षता में एक बैठक की थी और उस बैठक में उन्होंने एक फैसला लिया था कि इस नहर का निर्माण कार्य सीमा सड़क संगठन को सौंप देंगे और उसी के माध्यम से इस नहर का निर्माण कार्य करायेंगे। उसके बाद एक बैठक जल संसाधन मंत्री श्री विद्या चरण शुक्ल जी की अध्यक्षता में भी हुई। उन्होंने राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के सांसदों को एक साथ बुलाया था और कहा था कि उनके प्रदेश से बाबस्ता मुद्दों पर वह चर्चा करना चाहेंगे। उस समय हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी सांसदों ने इस बात को एक स्वर से कहा था कि हम सतलुज-यमुना लिंक नहर के निर्माण के बारे में चिंतित हैं। उस समय श्री विद्या चरण शुक्ल जी से भी इस नहर के निर्माण कार्य को सीमा सड़क संगठन को सौंपने की बात कही थी। लेकिन आज से चार दिन पहले इस सदन में उनके जवाब को सुन कर मुझे इस बात की हैरानी हुई कि "इसका निर्माण कार्य सीमा सड़क संगठन को नहीं सौंपा गया बल्कि पंजाब सरकार को इस निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए हम कह रहे हैं और मैंने खुद एक पत्र इस बारे में मुख्य मंत्री को इस बारे में लिखा है।" महोदय, मैं साफ कहना चाहती हूँ कि सदन में इस तरह का उत्तर इस नहर के निर्माण कार्य को खटाई में डालने की साजिश है। केन्द्र सरकार जानती है कि पंजाब सरकार के पास तो अपना

कर्जा चुकाने के लिए पैसा नहीं है वह इस नहर के निर्माण के लिए कहाँ से खर्चा लाएगी। जो हमारे हिस्से की नहर बनी है, जो वहाँ पहले पूरी हो गई, उस पर करोड़ों रुपया खर्च हुआ फिर आज तो उसकी निर्माण लागत इतनी ज्यादा बढ़ गई है। पंजाब सरकार की नीयत और पंजाब सरकार का पैसा, यह दोनों मिल कर के एक बहुत बड़ा प्रश्न चिह्न इस नहर के निर्माण के सामने लगा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूँ कि इस नहर का निर्माण पूरा न होने के कारण हरियाणा के किसानों में बहुत उत्तेजना है। हजारों हेक्टेयर भूमि हमारे प्रदेश में अभी अतिशय पड़ी है इस पानी के अभाव में, लाखों टन कृषि उपज से देश वंचित हो रहा है और करोड़ों रुपयों का घाटा हरियाणा सरकार को उठाना पड़ रहा है लेकिन इन सब तथ्यों की केन्द्रीय सरकार अनदेखी कर रही है। बजाय अपनी ओर से किसी एजेंसी को, सीमा सड़क संगठन जैसी एजेंसी को इस नहर का निर्माण कार्य सौंपने के, पंजाब सरकार को इस कार्य को सौंप कर के इस के निर्माण कार्य में अड़ना डाल रही है। मैं आपके माध्यम से इस विशेष उल्लेख के माध्यम से जल संसाधन मंत्री जी अनुरोध करना चाहती हूँ कि इस मामले की मजकूर को, पहल को समर्थ और चन्द्रशेखर जी की सरकार के समय लिये गये निर्णय के अनुसार इस नहर का निर्माण कार्य सीमा सड़क संगठन को सौंपने का निर्णय लें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री रामजी लाल (हरियाणा) : मैं इस विशेष उल्लेख से एक्सिसियट करता हूँ।

*Difficulties for Indians in getting Visa to visit U.K.*

श्री जगदीश प्रसाद मारपुर (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, सुषमा बहन ने तो आपको इस बात पर बधाई दी है कि आप पीठासीन हैं और उनकी जमात में शामिल हैं लेकिन मेरे और आपके दरम्यान आज एक ही